जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जामिया मिल्लया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 09 नवंबर, 2020

भूगोल और पर्यावरण अध्ययन पर जामिया ने 18 वां दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग से मिलकर, यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (यूजीसी-एचआरडीसी) ने 9 नवंबर से 24 नवंबर, 2020 तक भूगोल और पर्यावरण अध्ययन विषय पर अपना 18 वां (पहला ऑनलाइन) दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया। यह कोर्स देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 80 से अधिक युवा फैकल्टी मेंबर को प्रशिक्षण देने के साथ ही उनका कौशल निर्माण करेगा।

विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो अनीसुर रहमान के स्वागत भाषण के साथ इसका उद्घाटन सत्र शुरू हुआ। जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर इस सत्र की मुख्य अतिथि थीं। इसमें इसके गेस्ट ऑफ ऑनर और कीनोट स्पीकर, आर्थिक विकास संस्थान के निदेशक प्रो अजीत मिश्रा, जी बी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निदेशक डॉ आरएस रावल, जामिया यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो अनीसुर रहमान, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष मैरी ताहिर, भूगोल विभाग के अध्यापक और विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी शामिल थे।

कुलपति प्रो नजमा अख़्तर ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान इस रिफ्रेशर कोर्स के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन के लिए जामिया के यूजीसी-एचआरडीसी और भूगोल विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक समावेशी मानव समाज बनाने के लिए भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय निष्पक्षता और न्याय को शामिल करना ज़रूरी है।

पहला कीनोट संबोधन प्रोफेसर अजीत मिश्रा ने दिया। उन्होंने समावेशी विकास और साझा खुशहाली पाने में पेश आने वाली चुनौतियों पर जीत पाने के निश्चय करने पर ज़ोर दिया।

दूसरे मुख्य भाषण में प्रो आर.एस. रावल ने, भारतीय हिमालय क्षेत्र के संदर्भ में ग्रामीण इलाकों में आमूल चूल बदलाव की आवश्यकता बताई।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम एनालिसिस, वियना, ऑस्ट्रिया के प्रो पल्लव पुरोहित ने पहले विशेष आमंत्रित व्याख्यान में, वैश्विक और स्थानीय स्तर पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में एकीकृत नीति डिजाइन और प्रभाव मूल्यांकन के महत्व के बारे में बताया।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के भूगोल विभाग के प्रो राणा पी.बी. सिंह ने दूसरा विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने भविष्य की समावेशी विरासत पारिस्थितिकी और संयुक्त राष्ट्र-एसडीजी की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

इस रिफ्रेशर कोर्स के अगले दो हफ्तों में, भारत और विदेशों के 19 शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ वक्ता, उभरते हुए वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों का स्थानीय स्तर पर संवेदनशील समाधान बताने के साथ ही, उभरती अवधारणाओं, नवीन तकनीकी समाधानों और प्रयोगों के बारे में युवा फैकल्टी सदस्यों को प्रशिक्षित करेंगे।

जामिया के भूगोल विभाग के डॉ प्रवीण कुमार पाठक और डॉ तरुण बंसल, इस रिफ्रेशर कोर्स के समन्वयक हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक